भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 4665
28 मार्च, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

स्वास्थ्य पर अत्यधिक गर्मी की स्थिति का प्रभाव

†4665. श्री टी. एम. सेल्वागणपति:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश में एक और अत्यधिक गर्मी की स्थिति के लिए बेहतर ट्रैकिंग, तैयारी और नीतिगत हस्तक्षेप की तत्काल आवश्यकता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या देश में गर्मी से संबंधित मौतों की सटीक घोषणा नहीं की जाती है क्योंकि पुख्ता आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या स्वास्थ्य पर अत्यधिक गर्मी की स्थिति के प्रभाव को कम करने के लिए निगरानी में सुधार की आवश्यकता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार देश में गर्मी से होने वाली मौतों को कम करने के लिए श्रम, आवास और शहरी नियोजन आदि जैसे कई क्षेत्रों को शामिल करते हुए समन्वित प्रयास करने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख): सरकार अत्यधिक गर्मी के मौसम में बेहतर ट्रैकिंग, तैयारी और नीतिगत हस्तक्षेप की आवश्यकता से अवगत है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य संबंधी राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीसीएच) को लागू किया गया है, जिसमें जलवायु परिवर्तन के विभिन्न स्वास्थ्य प्रभावों, तैयारी और जलवायु संवेदी बीमारी से निपटने के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र को सुदृढ़ करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय ताप संबंधी रोग और मृत्यु निगरानी (एनएचआरआईडीएस) तंत्र की स्थापना की गई है। राज्य और संघ राज्य क्षेत्र एकीकृत स्वास्थ्य सूचना प्लेटफॉर्म (आईएचआईपी) पर हीट स्ट्रोक के मामलों पर डेटा संग्रहीत कर रहे हैं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी की गई परामर्शिका निम्नवत् लिंक पर देखी जा सकती है:

https://ncdc.mohfw.gov.in/wp-content/uploads/2025/03/2.-Advisory-for-State-Health-Departments-for-Summer-2025.pdf

https://ncdc.mohfw.gov.in/wp-content/uploads/2025/03/1.-NPCCHH_Public-health-advisory_Extreme-heat_Heatwave.pdf

(ग): भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने निगरानी और पूर्व चेतावनी प्रणालियों में सुधार के लिए कई शोध केंद्रों के साथ समन्वय करके अनेक कदम उठाए हैं। इनके विवरण **संलग्न** हैं।

(घ): स्वास्थ्य परिणामों में सुधार लाने और स्वास्थ्य क्षेत्र की तैयारियों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एनपीसीसीएचएच कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों को शामिल करने के लिए राज्य और जिला स्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया गया है।

आईएमडी ने समन्वित प्रयास किए हैं, जिनसे 23 राज्यों में हीट एक्शन प्लान (एचएपी) के माध्यम से अत्यधिक गर्मी से होने वाली घटनाओं, जिसमें हीट-वेव भी शामिल है, के दौरान जान-माल की हानि को कम करने में मदद मिलती है, जिसे राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा राज्य सरकारों के सहयोग से संयुक्त रूप से कार्यान्वित किया गया है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय एनपीसीसीएचएच के कार्यकलापों सहित राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के रूप में प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर जन स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

अनुलग्नक

स्वास्थ्य पर अत्यधिक गर्मी की स्थिति के प्रभाव के संबंध में दिनांक 28.03.2025 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4665 के भाग (ग) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक:

i. मौसमी और मासिक पूर्वानुमान जारी करना, तत्पश्चात तापमान और ताप लहर की स्थिति का विस्तारित पूर्वानुमान जारी करना।
ii. भारत में जिलावार हीटवेव संवेदनशीलता एटलस, राज्य सरकार के प्राधिकारियों और आपदा प्रबंधन एजेंसियों को योजना बनाने और उचित कार्रवाई करने में सहायता करेगा।
iii. गर्म मौसम के जोखिम-विश्लेषण में पूरे भारत का प्रतिचित्रण होता है जिसमें दैनिक तापमान, हवाएं और आर्द्रता की स्थिति शामिल हैं।
iv. पूरे देश के लिए ताप सूचकांक पूर्वानुमान और जिला स्तर पर ताप लहर की स्थिति का प्रभाव-आधारित पूर्वानुमान
v. वेब-जीआईएस प्लेटफॉर्म पर वास्तविक समय की गर्मी की लहर की जानकारी और चेतावनियाँ।
vi. समय पर सार्वजनिक पहुंच के लिए प्रसार प्रणालियों के आधुनिक उपकरणों का उपयोग करने के साथ-साथ पूर्वानुमान और चेतावनी संबंधी प्रसार सेवाओं में सुधार।

*****